प्रवेशांक (Online)

शोधामृत

कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की अर्धवार्षिक मूल्यांकित शोध पत्रिका

[A Half-Yearly Peer Reviewed and Refereed Research Journal of Arts, Humanity & Social Sciences]

अनुक्रमणिका

1.	समाजवाद, राष्ट्र और चन्द्रशेखर	डॉ. उमेश कुमार शर्मा	01-05
2.	योग का अर्थ एवं स्वरूप - एक विश्लेषण	डॉ. गुलाब सिंह	06-09
3.	वर्तमान सन्दर्भ में महर्षि दयानन्द के शिक्षाओं की उपादेयता	डा. प्रवीण कुमार	10-14
4.	मधु कांकरिया के उपन्यासों का शिल्प विधान	डॉ. दिवाकर चौधरी	15-21
5.	महाभारतकालीन अर्थव्यवस्था का स्वरूप	डॉ. प्रदीप कुमार	22-25
6.	योगऋषि स्वामी दयानन्द सरस्वती के अस्पृश्यता निवारण-हेतु दार्शनिक विचार	डॉ. संदीप कुमार	26-31
7.	श्रीमद्भगवद्गीता में योगत्रयी की अवधारणा	विकास	32-36
8.	नागार्जुन की कविताओं का सौन्दर्य बोध	डॉ.अजीता प्रियदर्शनी	37-42
9.	सामाजिक समरसता के उन्नयन में महर्षि दयानन्द की चिन्तनदृष्टि	डॉ.भावप्रकाश गांधी	43-47
10.	विकास यात्रा: स्वतंत्रता पश्चात का भारत	डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी	48-52
11.	अतुलनीय आत्मा-अशोक महान् [273-236 ईसा पूर्व]	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह	53-56